Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

HALF YEARLY EXAMINATION : 2025 – 2026
CLASS : IX
SUBJECT : HINDI

NAME OF STUDENT : ..... MAX.MARKS : 80
DATE : ..... TIME : 3 HOURS

NOTE : You will Not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections – Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from Section 'A'. Attempt any four questions from Section 'B' . Answering at least one of the questions each from the two parts of the book Gadya and Kavya you have studied and any two other questions.

Section 'A' (40 Marks)
(Attempt all questions)

प्रश्न.1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

i. "प्रेम से सामाजिक तथा राष्ट्रीय संबंध बढ़ते हैं " - प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

ii. " आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में रिश्ते-नातों की अहमियत खत्म होती जा रही है "- इसके क्या कारण हैं ? आप इन रिश्तों को संजोने के लिए क्या करेंगी ?

iii. आपकी प्रिय ऋतु कौन-सी है और क्यों ? इस ऋतु में मनाए जाने वाले किसी त्योहार का महत्त्व बताइए।

iv. भारतीय समाज में नारी की पहले और आज की स्थिति पर विचार करते हुए बताइए कि भारत में नारी का क्या स्थान है।

v. ' खोदा पहाड़ निकली चुहिया ' इस उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।

प्रश्न.2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

i. छोटे भाई को पत्र लिखकर समझाइए कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है तथा उसे यह भी बताइए कि स्वस्थ रहने के लिए किन-किन नियमों का पालन करना चाहिए।

ii. पर्याप्त एवं नियमित जल-सुविधा न मिलने पर जल आपूर्ति अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न.3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

किसी अमीर के घर में एक दिन कमरा साफ़ करने के लिए एक मज़दूर लड़के को बुलाया गया। लड़का सफाई करने लगा। वह जिस कमरे की सफाई कर रहा था, उसमें तरह-तरह की चीज़ें सजाकर रखी थीं। उसे काम करने में बड़ा मज़ा आ रहा था। उस समय वह अकेला ही था, इसलिए वह प्रत्येक चीज़ को उठाकर देखने लगा। इतने में उसे एक बड़ी सुंदर हीरे-मोती से जड़ी सोने की घड़ी दिखाई दी। वह घड़ी को उठाकर देखने लगा।

घड़ी की सुन्दरता पर उसका मन लुभा गया। उसने कहा, " काश! ऐसी घड़ी मेरे पास होती।" उसके मन में पाप आ गया। उसने घड़ी चुराने का विचार किया, परन्तु दूसरे ही क्षण वह घबराकर ज़ोर से चीख उठा, " अरे! मेरे हृदय में इतना बड़ा पाप आ गया! चोरी करते हुए पकड़े जाने पर मेरी बड़ी दुर्दशा होगी। जेल जाना पड़ेगा। लोग हिकारत भरी

नज़रों से देखेंगे। ईमान तो जाएगा ही, लोग मुझे अपने घर में भी घुसने नहीं देंगे। मनुष्य पकड़े न पकड़े, ईश्वर की नज़र तथा हाथ से तो कभी नहीं छूट सकता। "

यह सोचते-सोचते लड़के का चेहरा उतर गया, उसका सारा शरीर पसीने-पसीने हो गया। वह सिर थामकर दीन भाव से ज़मीन पर बैठ गया और उसकी आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली। कुछ समय बाद अपनी मानसिक स्थिति ठीक हो जाने पर उसने घड़ी यथास्थान रख दी। उसने ज़ोर से कहा, "लालच बहुत बुरी चीज़ है। इसने ही मेरे मन को बिगाड़ा है, पर दयालु भगवान ने मुझको बचा लिया। लालच करने की अपेक्षा धर्म पर चलकर गरीब रहना बहुत अच्छा है। "

चोरी करने वाला कभी निर्भय होकर सुख की नींद नहीं सो सकता, चाहे वह कितना ही अमीर क्यों न हो। चोरी करने का मन होने पर जब इतना मानसिक क्लेश होता है, तो चोरी कर लेने पर पता नहीं कितना भयानक कष्ट उठाना और दुख झेलना पड़ेगा।

i. मज़दूर लड़के को कहाँ और क्यों बुलाया गया ? उसे अपना काम करने में मज़ा क्यों आ रहा था ? (2)

ii. लड़के के मन में कब और क्या पाप आया ? (2)

iii. चोरी के संबंध में लड़के के क्या विचार थे ? (2)

iv. उसने घड़ी को अपने स्थान पर कब रखा ? उसने किसका धन्यवाद किया और क्यों ? (2)

v. दो पंक्तियों में लड़के का चरित्र-चित्रण कीजिए। (2)

प्रश्न.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (8)

i. ' अंधकार ' का विलोम शब्द बताइए -

a) प्रकाश b) अँधेरा

c) तम d) रात

ii. ' आकाश ' का पर्यायवाची शब्द बताइए -

a) पाताल b) नर्क

c) स्वर्ग d) नभ

iii. ' जो दिखाई न दे ' वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए -

a) दृश्य b) अदिश्य

c) दृष्टि d) अदृश्य

iv. ' अंधे की लकड़ी ' मुहावरे का अर्थ बताइए -

a) बेचारा b) असहाय

c) एकमात्र सहारा d) लाचार

v . ' उपलक्ष ' का शुद्ध रूप बताइए -

a) उपरलक्ष b) ऊपलक्ष

c) ऊपरलक्ष्य d) उपलक्ष्य

vi. ' सज्जन ' की भाववाचक संज्ञा बताइए -

a) सज्जनता b) सजजनता

c) शज्जनता d) संजंनता

vii. ' अपमान ' का विशेषण बताइए -

a) सम्मान b) अपमानित

c) प्रशंसा d) तारीफ़

viii. मीरा किताब पढ़ चुकी होगी। (वर्तमान काल में बदलिए)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute
8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

a) मीरा किताब पढ़ रही है। b) मीरा किताब पढ़ रही थी।

c) मीरा ने किताब पढ़ा था । d) मीरा किताब पढ़ेगी।

Section 'B' (40 Marks)

(Attempt any four questions)

साहित्य सागर (गद्य-भाग)

प्रश्न.5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

' बाबू साहब की मैंने इतनी सेवा की, पर दुख में उन्होंने साथ नहीं दिया।'

बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

i. रसीला को कितना वेतन मिलता था और वह उसके लिए पर्याप्त क्यों नहीं था ? (2)

ii. रसीला की सहायता किसने की ? सहायता करने वाले का परिचय संक्षेप में लिखिए। (2)

iii. रसीला को किस अपराध के कारण कितनी सज़ा हुई ? समझाकर लिखिए। (3)

iv. ' बात अठन्नी की ' कहानी को ध्यान में रखते हुए बताइए कि हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए ? विस्तारपूर्वक लिखिए। (3)

प्रश्न.6. 'अकस्मात् शुभ कार्य में विघ्न की तरह उग्र रूप धारण किए हुए विश्वेश्वर वहाँ आ पहुँचे।'

काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

i. रुपया चुराने के अपराध में किसको, क्या दण्ड मिला ? स्पष्ट कीजिए। (2)

ii. विश्वेश्वर की पत्नी का नाम क्या था और विश्वेश्वर के क्रोध का क्या कारण था ? (2)

iii. भोला किसका लड़का था और उसने विश्वेश्वर को क्या बताया? समझाकर लिखिए। (3)

iv. 'काकी' कहानी के आधार पर विश्वेश्वर की मनोदशा पर प्रकाश डालिए। (3)

प्रश्न.7. 'सेठ जी, यज्ञ खरीदने के लिए तो हम तैयार हैं, पर आपको अपना महायज्ञ बेचना पड़ेगा।'

महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

i . धन्ना सेठ की पत्नी को अपनी दैवी शक्ति द्वारा क्या बात पता चली ? उसने सेठ जी से कौन-सा महायज्ञ बेचने को कहा और क्यों ? (2)

ii. तीनों लोकों से क्या तात्पर्य है ? उनके नाम लिखते हुए उनके बारे में संक्षेप में लिखिए। (2)

iii. 'यज्ञों के फल' से आप क्या समझती हैं? यज्ञों के क्रय-विक्रय से क्या फ़ायदा होता था ? विस्तारपूर्वक लिखिए। (3)

iv. 'महायज्ञ का पुरस्कार' कहानी का मुख्य उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए। (3)

साहित्य सागर (पद्य भाग)

प्रश्न.8. सब धरती कागद करौं, लेखनि सब बनराय।

सात समंद की मसि करौं, गुरु गुन लिखा न जाय।।

साखी

कवि - कबीरदास

i. 'सात समंद की मसि करौं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

ii. कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। (2)

iii. कवि ने कागज़ और लेखनी के रूप में किस वस्तु की कल्पना की है ? कागज़ (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute
8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

और लेखनी से कवि क्या करना चाहते हैं और क्यों ?

iv. शब्दार्थ लिखिए - समंद, मसि, लेखनि, बनराय, धरती, कागद। (3)

प्रश्न.9. गुन के गाहक सहस नर बिन गुन लहै न कोय।
जैसे कागा कोकिला, शब्द सुनै सब कोय ।।
शब्द सुनै सब कोय, कोकिला सबै सुहावन।
दोऊ को एक रंग, काग सब भये अपावन।।
कह 'गिरिधर कविराय', सुनो हो ठाकुर मन के।
बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के।।

गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिधर कविराय

i. 'बिनु गुन लहै न कोय, सहस नर गाहक गुन के' - पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहते हैं ? (2)

ii. 'सुनो हो ठाकुर मन के' से कवि का क्या अभिप्राय है ? समझाकर लिखिए। (2)

iii. गुणों के महत्त्व को समझाने के लिए कवि ने कौन-सा दृष्टान्त दिया है ? समझाकर लिखिए। (3)

iv. गुणों का जीवन एवं समाज में क्या महत्त्व है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए । (3)

प्रश्न.10. प्रभु के दिए हुए सुख इतने
हैं विकीर्ण धरती पर
भोग सकें जो उन्हें जगत में,
कहाँ अभी इतने नर ?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा
सब सुख पा सकते हैं
चाहें तो पल में धरती को
स्वर्ग बना सकते हैं।

स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

i . ' प्रभु के दिए हुए सुख इतने, हैं विकीर्ण धरती पर ' पंक्ति की व्याख्या कीजिए। (2)

ii. ' कहाँ अभी इतने नर ?'- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

iii. यहाँ किनके तुष्ट होने की बात की जा रही है ? वे तुष्ट क्यों नहीं हैं ? विस्तारपूर्वक लिखिए। (3)

iv. कवि ने धरती को स्वर्ग बनाने का क्या उपाय बताया है ? विस्तारपूर्वक लिखिए । (3)

END

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road Prayagraj. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE